Seventeenth Loksabha

an>

Title : Regarding objections on Chairmanship

माननीय अध्यक्ष : अगर आप सब एक-एक करके उठेंगे, तो मैं सबको बोलने का मौका दूंगा। अगर एक साथ उठेंगे, तो मैं कैसे बोलने का मौका दूंगा? आप एक-एक करके बोलें। सभी लोग एक साथ उठेंगे, तो मैं कैसे बोलने का मौका दूंगा? आप दोनों सीनियर सदस्य हैं। आप दोनों में से पहले कौन बोलना चाहता है, यह आप दोनों पहले तय कर लीजिए। आप दोनों अगर नहीं बैठेंगे, तो मैं दोनों को बोलने नहीं दूंगा, बल्कि तीसरे को बोलने का मौका दूंगा।

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर**,** आइटम नंबर-13 का जिक्र करने के लिए कोई है ही नहीं। … (व्यवधान).. सर**,** यहां मिनिस्टर नहीं हैं। बिल को कौन इंट्रोड्यूस करेगा

माननीय अध्यक्ष : क्या यह आपका विषय है? यह विषय अब खत्म हो गया। आप अब बैठ जाइए। श्री बालू जी, अब आप बोलिए।

SHRI T. R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Sir, my objection is regarding item No. 13. I am objecting to the introduction of the Bill.

माननीय अध्यक्ष : जब को-ऑपरेटिव मूवमेंट का विषय आएगा, तब आप अपना विषय रखिएगा। मैं तब आपको अलाऊ करूंगा। Baalu Ji, you are a senior leader. हां, अब आप बोलिए।

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर**,** विपक्ष के लिए सदन में कनवेंशन्स होते हैं**,** प्रेसिडेंट्स होते हैं और सुविधा के बन्दोबस्त होते हैं। आपने इतने सालों से चली आ रही परम्परा को खत्म करते हुए विपक्ष से सारी स्टैंडिंग कमेटीज छीन ली हैं। उसके बाद यहां 'एक भारत**,** एक दिशा**,** एक परिवार' की बात हमें सुनाई जा रही है।

माननीय अध्यक्ष : आप बोलिए। मैं जानता हूं कि मुझे क्या जवाब देना है।

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, हमसे आईटी कमेटी की चेयरमैनशिप ले ली गयी। सुदीप बाबू से स्टैंडिंग कमेटी की चेयरमैनशिप छीन ली गयी। महोदय, ऐसा क्यों हो रहा है? सर, यह परम्परा है।

माननीय अध्यक्ष : अब आप मेरी बात सुनिए। क्या आप मेरी बात सुनेंगे?

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, आप कहेंगे कि हम ऐसा कर सकते हैं आप कर सकते हैं। सर, आप बहुत कुछ कर सकते है।

माननीय अध्यक्ष : आपने अपना विषय रख दिया है। आप अपना विषय रख चुके हैं।

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, यह हमारी परम्परा है। परम्परा के दौरान विपक्ष को जो सुविधा मिलनी चाहिए, जो अधिकार मिलना चाहिए। सर, आप उस परम्परा को खत्म कर रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष : चलिए, बैठिए।

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, क्या आप इस विषय पर कुछ कहना चाहते हैं?

माननीय अध्यक्ष : अब आप मेरी बात सुनिए।

माननीय सदस्य, आप वरिष्ठ सदस्य हैं। आप कांग्रेस पार्टी के फ्लोर लीडर भी हैं। क्या सदन के विषय पर अध्यक्ष पर कभी कोई आक्षेप किया जाता है?

श्री अधीर रंजन चौधरी: नहीं सर।

माननीय अध्यक्ष : क्या यह परम्परा है?

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, मैंने ऐसा नहीं किया है।

माननीय अध्यक्ष : आपने परम्पराओं का उल्लंघन किया है।

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर नहीं, हमने ऐसा नहीं किया है। सर, मैंने माँग की है।

माननीय अध्यक्ष : आपने परम्परा का उल्लंघन किया है।

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, हमने सरकार के लिए कहा है।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप इसे परम्परा का उल्लंघन करना मानते हैं या नहीं मानते हैं।

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, मैंने सरकार के लिए कहा है।

SHRI S. S. PALANIMANICKAM (THANJAVUR): Sir, with folded hands I would like to mention that I was affected personally. I was in the Estimates Committee. It was taken away.

Please do not divert the issue.

माननीय अध्यक्ष : आप मेरे एक सवाल का जवाब दीजिए। सदन इस चीज को तय कर देगा। आपने सदन की कमेटियों के बारे में विषय उठाया है। कृपया, आप बैठ जाइए। यह अधिकार अध्यक्ष का है, तो आपने अध्यक्ष के आसन को चुनौती दी या नहीं दी।

श्री अधीर रंजन चौधरी : नहीं सर। सर, बिल्कुल चुनौती नहीं दी है। सर, माइक तो ऑन कराइए। मैं आपकी बात का जवाब दे देता हूँ।

माननीय अध्यक्ष : मैंने आपको मौका दिया है।

माननीय अध्यक्ष : आपको भी मैंने मौका दिया है।

माननीय अध्यक्ष : मैं आपको भी बोलने का मौका दूँगा।

सुदीप जी, आप बोलिए।

Shri Sudip Bandyopadhyay (Kolkata Uttar): Sir, we are not accusing the Chair or blaming you in any way. I was called by the Parliamentary Affairs Minister himself and the MoS to state that they are not going to give Trinamool Congress any Chairmanship. Ours is the second largest Party of Lok Sabha and Rajya Sabha Members combined. I asked if this is your decision, and they stated that : "Yes, we are communicating it to you".

Sir, we do not want to include your name in any manner in this situation. But Trinamool Congress has not been given any Chairmanship in spite of being the second largest Party, but we are not begging for any Chairmanship from this Party. … (*Interruptions*)

Prof. Sougata Ray (Dum Dum): Sir, we are totally against this.